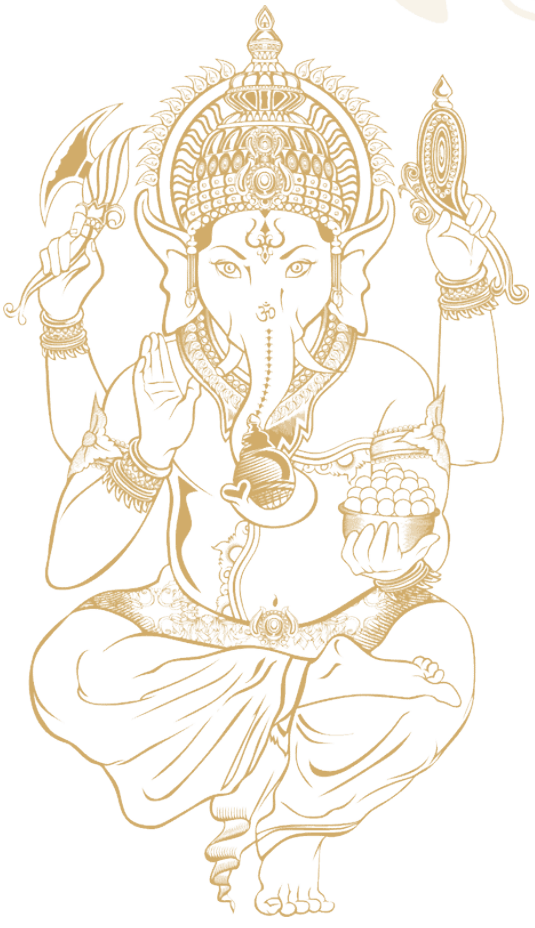

Bhatoe Indredew

atoe-Dhawtal Asna Wariskadew

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119083303

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
23/03/1992	जन्म तिथि	14/09/1996
सोमवार	दिन	शनिवार
घंटे 07:00:00	जन्म समय	10:00:00 घंटे
घटी 00:40:59	जन्म समय(घटी)	08:40:50 घटी
Suriname	देश	Suriname
Paramaribo	स्थान	Paramaribo
05:50:00 उत्तर	अक्षांश	05:50:00 उत्तर
55:10:00 पश्चिम	रेखांश	55:10:00 पश्चिम
45:00:00 पश्चिम	मध्य रेखांश	45:00:00 पश्चिम
घंटे -00:40:40	स्थानिक संस्कार	-00:40:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:43:36	सूर्योदय	06:31:39
18:50:44	सूर्यास्त	18:40:17
23:45:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:42

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 11वर्ष 2मा 13दि	13:03:30	मीन	लग्न	तुला	20:34:11	चन्द्र 5वर्ष 5मा 13दि
केतु	09:16:23	मीन	सूर्य	सिंह	28:10:18	राहु
06/06/2020	08:48:13	वृश्चि	चंद्र	कन्या	16:03:43	27/02/2009
06/06/2027	02:37:39	कुंभ	मंगल	कर्क	09:07:42	27/02/2027
केतु 02/11/2020	15:01:45	मीन व	बुध व	कन्या	04:12:45	राहु 10/11/2011
शुक्र 02/01/2022	13:03:15	सिंह व	गुरु	धनु	14:11:51	गुरु 04/04/2014
सूर्य 10/05/2022	17:52:30	कुंभ	शुक्र	कर्क	14:06:09	शनि 08/02/2017
चन्द्र 09/12/2022	21:24:28	मक	शनि व	मीन	11:05:53	बुध 29/08/2019
मंगल 07/05/2023	11:31:42	धनु व	राहु	कन्या	14:09:41	केतु 15/09/2020
राहु 24/05/2024	11:31:42	मिथु व	केतु	मीन	14:09:41	शुक्र 16/09/2023
गुरु 30/04/2025	23:53:41	धनु	हर्ष व	मक	07:05:38	सूर्य 10/08/2024
शनि 09/06/2026	24:59:18	धनु	नेप व	मक	01:17:47	चन्द्र 09/02/2026
बुध 06/06/2027	28:59:15	तुला व	प्लूटो	वृश्चि	06:51:45	मंगल 27/02/2027

लग्न-चलित

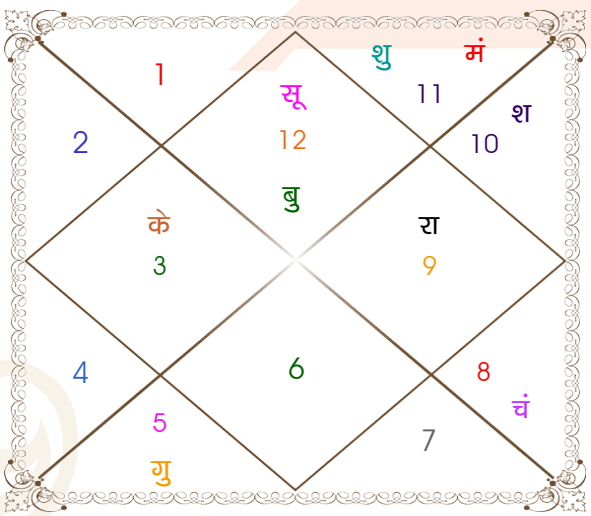

लग्न-चलित

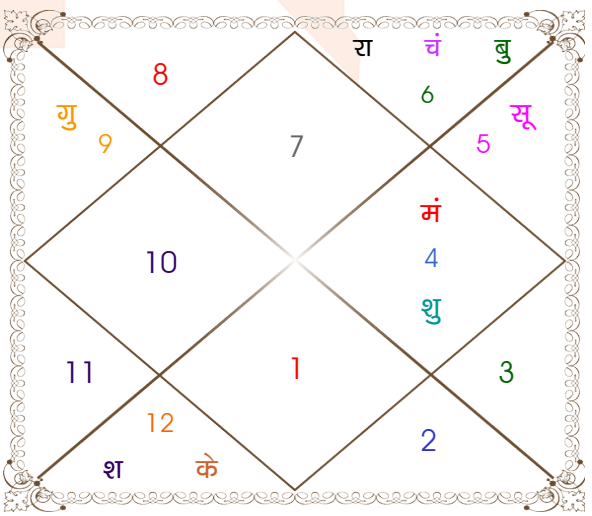

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	महिष	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	27.00		

ठींजवम प्दकतमकमू का वर्ग सर्प है तथा ठींजवम.वींूजंस ेदॅतपेांकमूपम का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ठींजवम प्दकतमकमू और ठींजवम.वींूजंस ेदॅतपेांकमूपम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

ठींजवम प्दकतमकमू मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

ठींजवम.वींूजंस ेदॅतपेांकमूपम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु ठींजवम.वींूजंस ेदॅतपेांकमूपम कि कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि ठींजवम.वींूजंस `ेदॅ तपेांकमूपम कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

ठींजवम प्दकतमकमू तथा ठींजवम.वींूजंस `ेदॅ तपेांकमूपम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।